

सुपर्णो यज्ञो ग
न्धर्वस्तस्य दक्षि
णा अप्सरसस्ता
वा नाम ताभ्यः
स्वाहा॥ ॐ इदं द
क्षिणाभ्यो अप्स
रोभ्यस्तावाभ्यः॥
ॐ प्रजापतिर्वि
श्वकर्मा मनो
गन्धर्वः॥ ॐ इदं
ब्रह्म क्षत्रं पातु
तस्मै स्वाहा वाट्
॥ ॐ इदं प्रजाप
ये विश्वकर्म
णे मनसे गन्ध
र्वाय॥ ॐ इषि
रो विश्वव्यचा वा
तो गन्धर्वस्तस्या
पो अप्सरस ऊर्जो ना
म ताभ्यः स्वाहा
॥ ॐ इदमद्भ्यो अप्स
रोभ्य ऊर्ग्भ्यः॥ ॐ सु
षूः सूर्यरश्मि
श्मा गन्धर्वः स न
ॐ इदं ब्रह्म क्षत्रं
पातु तस्मै स्वा
हा वाट्॥ ॐ इदं
सुषुम्णे सूर्यरश्मि
ये स्मायगन्ध
र्वाय॥ ॐ सुषु

श्मिश्चन्द्रमा गन्ध
र्वस्तस्य नक्ष
त्राण्यप्सरसो
भेकुरयो नाम
ताभ्यः स्वाहा ॥
इदं नक्षत्रेभ्यो
ऽप्सराभ्यो भेकुरि
भ्यः ॥ इषिरो
विश्वव्यचा वातो
गन्धर्वः स न इ
दं ब्रह्म क्षत्रं पा
तु तस्मै स्वाहा
वाट् ॥ इदमि
षिराय विश्वव्य
चसे वाताय ग

गन्धर्वस्तस्य म
रीचयोऽप्सरस आ
युवो नाम ताभ्य
ः स्वाहा ॥ इदं म
रीचिभ्योऽप्सराभ्य
आयुवीभ्यः ॥ सु
षुम्णः सूर्यरश्मि
श्चन्द्रमा गन्धर्व
ः स न इदं ब्रह्म
क्षत्रं पातु तस्मै
स्वाहा वाट् ॥ इदं
सुषुम्णाय सूर्य
रश्मये चन्द्रम
से गन्धर्वाय इदं
सुषुम्णः सूर्य

कस्यौय[illegible]
नसौमृदानाम
गास्य १ स्वा[illegible]ॐ
द्गोस[illegible]विस्याश्म
गास्याम्[illegible]१३
स० [illegible]विश्व
सामा[illegible]न्ध
थे १ सनै ॐ द्व
स्रु कर्ष वाद्गा
ध्ये [illegible]वाॐ
दै स० [illegible]हिगाये
[illegible]
य[illegible]या ॥
ॐ [illegible]
[illegible]

कत्तिकापुस्त
वाकुलाना ॥ [illegible]

वाछरुद्रामंकु
या ॥ [illegible] ।

ॐ [illegible]गायत्र[illegible]
थु[illegible]निगुन्धु
थे १ सनै ॐ द
वुक्षकर्षयाद्व
गस्री स्वादावाद
[illegible]दम[illegible]स्वाङ्
[illegible]श्वि[illegible]
गा[illegible]थय ॥ ॐ
[illegible]

यविस्कवणाय
थायथाविधि
मंगलकलश॥
स्वनं॥ततो६थ
पदासाधनं॥
मण्डलार्च्चनं॥
स्वर्णादि॥ॐ
नॐन्द्रदास्वा
पूर्वाघाकु
गाघायक्वकु
घाक्षवाकलश
॥भ्युयानामा
डुयोजकाम
यस्वाकम॥स

नतास्त्रीपुंसया
४पञ्चवन्याधि
डानवृन्दस्पू
मलकेवाज
मार्लकुंगलु
कर्मकुन्याग॥
त्रस्कास्वनं॥ॐ
त्रस्कायस्नानं॥
स्त्रीनायडनं
॥ॐ ॐ दविस्नु
जूनियडनं
॥ॐ नमस्कृनील
ग्रीवायस्वाहा॥क
यानस्विध्रुगि॥

म्यूनयिक्रपु
णाँ थअदादग्नि
म्हुं कम ८ थाॐ
मांस्मान ८ पूवा
णिवगमाभैव
य स्मानङ्गुठ
शगाविढुवय
स्यामुशनु ८ प
दयाम ८ गोपं
यस्यामकामा
वढवानिविक्ष
॥ सावधूनित
क्षगं ॥ गगाद
क्लिनह्लावर्ध
वामंगा (गनिध
या ॥ श्राक्ष्म ९ ध्रु गी ॥

ध्यानवज्रनयति
ष्टुधिगिवावस्तु
स्य ४ सूमना ४ सु
वृक्षा ४ वीवस्तु
ढ्वकामास्यानि
शन्गारवछिय
ढुशाव्रुठस्थाद
स्याम ४ पथमावि
विदगन्धवावि
विदठगन ४ क
गीयानिक्ष्यद
गिह्नुवीयस्म
न्वृथ्यजा ४ स्मा
मादददैवी
यगन्धवादद

ॐ यदेवि मनसा
दुर्वं दिऽमनु
पुवमानावा
ध्रुव ध्रुयक्रो
वैक ध्रु ॥ मवा
मम्न सींवक्रा
ऊ ॥ श्री श्रृ मृका
दं वि ॥ ॐ ॥ व
धूनामग्रदला
र्ग निद्धमलम
त्रोप ० नजू
हुर्वं गहोवा
सोवधु निवी
ढनग ॥ ॐ ज

मूयायपयक्षा
घूतमघ्नाणक्षी
गयुवँकौ ॥ णमि
वधमथातिछ
मृमिति ॥ तिकः
मृतिनूनाठानू
जुस्मानराध्वि
विनानिधनॐ
मँनयगवेवा
नामधमतिम
धुमत्रिवनौ ॥
ॐ गठव्य
त्यादि ॥ कर्या
निद्धमतमक्रा

॥ॐ कन्याङ्कुं बि
वंकरु मगाबा
उजं स्याङ्कराना
६ सिवाक ३॥
मि यप्र साम
४ मुंयगायप्र
यक्षाद्युगस्य
धाराजं सित
त्यबं गं ॥ कुन
षाबं च्याकुं
बवदकुंनी
नविकुंकुं मा
जयि जकुंडानी
जसिवाक ३॥
मियप्र साम ४

४ श्रिश्रमनावसरा
नरामकुं षुन्वा
सिदूयाद्वादश
रांव पिद्यादश
मासा ४ सम्वत्स
र सम्वत्सरबा ६
नि षाबान ६
निषाब यद्स
मापाणा बनव
नद्दकि ठनाद
चात्रक्रा ७ सि ॥
ॐ निश्रि पिवाद
किलक्षावव
धूडामत्रल
षसूनाविषकं
जूगाबादपदव

स्मिनाय गं पठ
यारुयादिप्तिप
ष्ठु तितित्रिवँ
र्ष कालँ कामध्य
गं सा स्म कामद ४
सम्ह धं गं ॥ ॐ त्व
र्ष या दि ॥ प्रणज
न्याद नक्रमद्य
ग्निक्षा ४ प्य थ
र्षधामूव ॡन
क्रिगोडा मा ठु
यम ह स म्पु
ह त [illegible] जगमथा
[illegible] जा ठुं ४
[illegible] ॥ जापु

बुतिश्व ४ ८भाद
वं ८ यं गाबति
य १ ण्वं विद्य
तिपद्मा तिगद्य
थास मिंद्ध साद
यादंवमंगादु
ह्रातियामधीये
गेंददातिंगस्य
दधीयंतातिदि
८गदु ॥ ॐ धवो
सि ॥ जा ८ बम
तिपयवावय
तिधं [illegible]
भीयं [illegible] ना

मायाजगा। कामा
दागाकीम॥पु
ष्पिघ्रशुगाकामे
गकुंशिगर्द्दं
वगायाजद्धि
गितिगाद्गुद्रु
र्द्धवगायाज्रग
दिक्षोदिर्द्वग्री
र्द्धवगा॰सम्मिर
धसादीयमाना
ध्य॥ध्य॥(श्रायु
सीरवनीद्रर्वं
यसिनदमव
रयादधिसदी
यमान९नदश
॥ध्य॥(ग्रयाम

(ब्धादद॥यमा
यङगाद्दु(ब्ध
ददामाद्दग
द्वमसादयाद
ग्रेद्विमयामक्क
म्यतिग्रकीपया
क्वथयत्वोदद
ता॥(ब्धा॥काप
ग॥जथयद्द्म
र्द्ददातिकामन
वेगद्ददागाद
श्रयम्बपासर्क
तिगत्पुयति
वीदाकेमाक्र
दा(कोमादाके

ध्रा ॐ दप्रें ह्रिम
थाम क्र स्य तिगु
कोप्रें ॥ २ ॥ अथ
बोस ४ प्र त्य ति
बुद स्य नयब्र
मक्र म्व नू ॐ
दद्रा पु ४ व द
स्य नाय यें नाम्ब
नू ॐ दद्रा पुम्भ
मू न व्रम माय
व्र म्द्रोप्रें ह्रि म्म्य
म क्र म्व तिजब
प्र ॥ ३ ॥ जू थाम्ब
स्व यें तियमाय
ब्राम क्र म्ब नू

यें य म्र य व्राम
क्र म्व नू ॐ दद्रा
पु य ॐ जों ना
म्व नू ॐ दद्रा
ओम नब्र ममी
याथू दों प्रें ह्रिम
थाम क्र म्राति
गू कोप्रें ॥ ॥ अम
थ नाम्ब त्यति
नू दाय ब्रामब्र
म्व नू ॐ दद्राब्र
नू दाय यें नाम्ब
नू ॐ द द्रा प्रम्भ
मू ना व्रम मोय

त्रा लभ दात न्न ह्नि
बयाम क्कुस्वति
गकी गं वू कस्य
गयवामक्कस्व
कूः लभ दद्दाडुसा
मृगनवमसीय ४
व स्वातय द्विम
यामक्कस्वतिगु
कीगं यमायवा
मक्कस्वकूः लभि
दाडु सामगनवि
मसीय कयादा
नं द्विवयामक्क
स्वतिगकीगं
ॐ म कि व लभमा

ध्रभवीं विता
कीं नडदकभ
गीं क्कवा ॥ जा
मर्थ लपठति
मठ ॥ ॐ जून
यवामक्कस्वकू
ःलभदद्दाडुसा
मृगनवमसीया
यूदाया न द्विम
यामक्कस्वति
गकीगं कूवाय
वामक्कस्वकूः
लभददाडुसामृ
नवमसीय ८

पत्नीत्वंनाहंमे
यदर्द ॥ ॐ गंमा
नायट८नं ॥ ॐ
स्वस्तीतिथौति
ववर्न ॥ स्वस्मू
र्तुभक्यान ॥
ॐ श्री स्वा दद
तु ॥ ओं मा माकं
याज ॥ ॐ पृथि
वीवैप्रतिरू
कोकु ॥ कन्या
यालाकानङ्क
दावपट०७ ॥
मामाकंनद्र

यजमूमूकवनल
यजमूमूकगम्भे८
नव्राङ्कणायवि
पिङ्कायजामा
[illegible]

मममूकप्रव
मामम्कदेवी
नाम्नीमिमांक
न्यांसालङ्कारां
प्रजापतिदैव
तांस्वर्गकामः॥

विप्रासोविष्णु
यलप्रतिगृह्नी
वयंविधि॥१॥
ग्रहदिक्ककत्यि
गजामात्रिसा
लक्षांवांसह
केन्यादानव्य॥
कुशद्वय॥जा
मातादद्व
कुयानु॥ॐजु
युवालोहक
त्र्यंत्यादि॥ॐ
जुयादि॥जु
मूक॰णत्रय
जूमूकद्धवना

कुमो॥ॐतिस
मंडयविधि॥
गता॥यथोवि
धिन॰णत्राद्यी
जुलंकृवाजू
धौजामात्रेल
यश्यु॥विसुव
ल॥ॐ॥गत
१कन्यादानेकु
योनु॥स्वसुथ
ला॥वोक्यो॥ॐ
दानदवकु॰
लानाजाद्व
मादिपदवते

॥ ॐ ज्वलद्धव
णमसिद्धयो ६
लद्धं नलन्द्र
य ॥ ॥ नमो
स्वसूर्य लक
न्यागदीवाडा
मागाहेकन्य
या ॥ वाद्व ॥ पव
न्यगने ॥ ॥
ॐ समन्ता बुद्धि
ऋध्दवा ॥ स
माधूहृदया
निर्नी सम्यान
निःश्वसद्धागा
समूदद्वादया

यै ॥ वन्दनम
॥ ॐ यदहक
ऋमुति ॥ उक्त्ला
यविगमकी ॥
ॐ यक्षायवीर्
॥ यूक्षमकी ॥
ॐ याजमदनर्को
मुदनि ॥ धद्धा
यै कामायक्षि
यायम नामद
यृतिगक्काभिय
भसावहागन
वै ॥ ७ ॥ नागादि
सर्वालीकानम

गश्च मा विकच
श्रीमा प्रतिव
र्णा ॥ ७ ला
यमक ॥ ७ जम्म
द्रीपान्द्ब नाद्रु
द्रु ॥ प्रदानमा
मिसनू ॥ सूवलु
मूछिकामन ॥
७ छिनच्चे नाक्रु
॥ पयत्रिक्रुस
समक ॥ ७ म
वरुपविनाव
गमदायद्रुन
यदा ७ नाक
क्रुछिनच्चे

गीदय विषत्व
बासश्री त्वसू वं
नापू क्रजामा ते
वस्रीदव ॥ जा
मामावामः विश्र
नवक ॥ ७ वदि
धास्रियमा धाम्रि
दीपायूवायत्र
वदछ्विवस्विग
गश्चत्रीवामिग
वदे ॥ पूनवीना
यस्वावमक्रिसं
वचिष्य ॥ ७ य
शमामायादाप्र
छिवीयगमश्चा
छुदस्यायायसी

क्रियाना ॥ गच्छ
ज्ञावृगं ॥ दे ४ मु
वश्चोव यिं ५४ पू
प्ता ननू सं च्यर्य
स्वायुष्मा नीदं
पे विध स्व वा
स ४ ॥ जू (थोत
नीयं ॥ ॐ यात
कृक न वय न्या
त्रम्र च नयाश्च
ध्वी स्क न्न नक्ति
नो न नू नू नाथ
ध्वी ज्ञ व सर्व
वायं स्वायू ष्प
नगोज्ञयमान ४ कन्यापतिश्च

मा गमम नो गमम
दि र्जीव विश्व म
मवा मूच्य वा मू
के गमें (त्राय
ज मा न स्य या प्रा
दत ४ ॥ ॐ दस्पु
ते लो न्यु वृ ग्गु ति
पू ले द्धि न्या त ॥
॥ ॐ ॥ त ना व म
य विधा न व द्धा ॥
ज मा त्र ल कु मु
नी सि ज्ञ य त ॥ ॐ
ज नो ज्ञ कृ य नि
ध स्व वा मी कृ वा
कृ द्धी नाम क्रिया
नन्दश्रीवन दमोनृश्रीन्दयो ॥ १ ॥

निभस्मनि गनूत
च्चु भ स रु सन्तु
गु त्या स्या दिस
वृ गमा बिव्रही
कैस्यु दृुा ॥ गमो
नाविं गं घ्वा बा
मी ग्जो ग्जोवि
गिवाव यि व्वा ॥
जा मा गु ग म क्वा
३ मा गानू ज्ञा लं
दृ हि मा वृ सू ना
७ स्व सा दि खा ना
मस्रू न स्यनुलि
४ प्रगू बाबं वि
कि गुषजनाय

मधूयर्क्कि गे वंप्रा
ग्दि जिफ सं वु थनि
नयग ॥ सघ्व च्चा
प्रागभीयाफं ॥ पू
श्री मावम्य ॥ दकि
णदसी नकथंमा
नस्कुं ना लि स्युण
गृ ॥ ३ वा

वाक्त्रयमतिम
क्षी ॥ ओं नामिकां
गुह्यार्यां किंश्चि
द्गुर्मीनि ॥ क्रिय
० ॥ पुनस्तथैव
नि ॥ क्रिये ७ द्वि
॥ ता ॥ ॐ युन्म
धू नाम धर्वंय
म नमभूपंत्रा
धं ॥ तं नादंम
धूनाम धर्वंन
पवम लहय
लनाथं नय
नमामधवान्ना
दामानी ॥ ३ ॥

तस्यवावदूकाय
नीश्वरी ॥ तस्यमधू
यक्रांप्रतिगत्कामि
तिमना ॥ ॐ दवस्य
वासविन ॥ प्रस
वश्चिनाबाकृर्या
पूर्णादस्कार्यी ॥
वामदसेनिधाय
दश्चिलस्यानामि
कयापि ॥ प्रदक्षि
णमावालयति
मके ॥ ॐ नम ॥
श्येवास्यायान
शुनयकावि
द्वं नमनि ॥ कु
कामि ॥ जूनन

३॥ प्रकुर्वाणं द्वि
धा पूज्ञां वा ॥ ॐ
यस्य दीनं ॥ गृह्णी
ष्व सुवर्ण ॥ तत
यजमानः ४ कांस्य
पात्रस्थं दधिमधु
घृतानि कांस्यपा
त्रपिहितान्योद्धा
य ॥ ॐ मधुपर्कोम
धुपर्कोमधुपर्को ४
प्रतिगृह्यतां ॥
जामाता ॥ ॐ मधु
पर्क ४ प्रतिगृह्णा
मि ॥ जामाते नम
धुपर्का ४ प्रतिगृ
हीतं मनः ॥ ॐ मि

मायवाश विम०
पय ४॥ ७॥ स्वस्
थल ॥ ॐ विघ्न
जलमंगमन्याचि
जनं ५० ॥ ॐ आ
चमनीयमाचम
नीयमाचमनीयं
प्रतिगृह्णात ॥
जामाता ॥ ॐ आच
मनीयं प्रतिगृह्णा
मि ॥ ॐ जामाता गन्ध
शीमा स० मन्डव
चु सान मूर्ध्न
प्रियं कन्या नाम
वियतिं यग्ना
मविछिंतनूनां ॥

अथैप्रतिगृक्रमा
॥ ओं माता॥ ॐ भु
खैं य्र गिग क्रमि
॥ ॐ आप स्कंयु
थ्यारि ४ सघानि
कोमानवापूवी
नि॥ त स्येरूभो
नि धापयेति॥
ॐ ति गिन सिजू
कृतादिकं किं०
दवा॥ मन॥ ॐ स
मृहन्व ४ य्र ठिमि
मि स्वायानिम
रि गह्क तजूवि
धासमाकं वीरा

यतिजू मं सं वक्र
म लजू मं नं वम
श्रु लवाम यादृय
क्षालनी॥ ओमा
जुन पूक्षीमाव
म्य॥ न न ४ पूवे
व धिवृ नाकर्व
यू लीवावनल
यान ४ स्कादृव
नागवन ४ कुया
आ स्वमूर्वणी॥
न ताद्रु धोकृन
फ लठ्लवच्छन
यू ता धं गृ लीवा
शं स्व नज धं स्क
॥ ॐ जधाज वा

माकश्यादिदास
ति॥ त्रकमासमं
॥ यूनयकपाद
सूनं ॥ स्वसूयल
॥ ॐ पार्थं पार्थंपा
र्थप्रतिगृह्णा
॥ ज्ञामाता ॥ ॐ पा
र्थंप्रतिगृह्णामी
॥ ॐ नयादप्रक्ष
लयतिमन्त्र ॥ ॐ
विनाज्ञादादामि
विनाज्ञादहम
शीयमयिपाद्या
र्थे विनाज्ञादादृ
॥ ३ ॥ ॐ ति द्धि
र्णे पादर्घ्यक्षाल

ध्यामारव नं ॥ ॐ
निस्वसूर्यप्रणु
॥ ॐ जसृर्थ यति ॥
ज्ञामाताय प्रणु
॥ विष्णुर्वर्य ॥
गृदावास्वसूर्य
णप्रणु ॥ ॐ वि
ष्टरोविष्टरपावि
ष्टर ॥ प्रति गृह्ण
मी ॥ ज्ञामाता ॥
विष्टरं प्रतिगृह्ण
मि ॥ मन्त्र ॥ ॐ व
र्ष्मास्मि समानाना
मूद्यतामिवसू
र्य ॥ ॐ मकम
ति निष्ठामिया

दक्षिणादानं ॥
॥ॐ॥ निजामाकृ
निमन्त्रणविधि
४॥ ॐ नमो ब्रह्म
णा ब्रह्माविष्
ष्णुमहेश्वराय
नैश कौलकु
ताक्षेन ४ पुम
पुरगमबलि पुनु
वामक विं शति
॥ अथ विवादमा
नकेन ॥ नमाव
ति ४ क्ष लाय ४
ॐ नमो काया
कु ॐ साधु कवा
नाकाम ध्रुवयि

नमायतिथीति ८
ॐ नियजावकु
लीमकलोपदे
नप्रयाणकोजु
म्यासू यकेनति
दय ८ ॐ नम
गजाययुनित
नैदया के न म
यिधलिमबुध
[illegible] जिन ओय
नमाजु यं नम
भूतवे जिन ओं
ॐ मृतामवस
४ वाति तिकर
वाति ४॥ नमवा
कालपूजनं ॥

मामाद सर्वा नमि
त्या णीवं द सर्वा
नापूा ळम वाम
थं ल सद्ध गणमि
र्यं भ्र नवं सद्ध ग
णीनं वा न्यं ल द्व
सय ज्ञ स्म सन
त्ति ज्ञ भ्रा न मव
स नां ति व्रजा स
मि यु म वम नाति
य हू म नी ति य
ष्ठू स नवं स ना
ति ला काय यति
त मं वडा य तिज्ञ
तय स नी ति स्व
मं वं ला का तयं
स्व न घ वं लाकं

तस्माद्दुगद (१ग)
घ्नकाउवक्षाय
लाकंयुणयाति
मक्रय तगदना
विनाज ८ क्रुत
दशाक्रुनीहिवि
नाद्धा मधुघात
क्रीफूमालिहुं
तिगदना ८ काम
धूघाजकौफ्रमा
णी ८ कुत ॥ ३
द ० क्रवी ति ॥ ३
सगक्रय तिद ०
हविपज नतम
क्ष हिति ८ पजन
० जाद्धयय ८ जाद

ग स्थ्रम धु स्थ्रक
स्थवकुं बु के विद्य
ओं नाम यु गा ह्व
देवा त्र ना हुं ह्व
का नाम सि बुया
का यं श्र य थ्रीय
थ्र ना त्र ग दा व
क्री गं गा त्र त्रान
स्व्र या वु के ना
थ्र लौ कं वू ल त्र
वं यं ना यं ग हू
त्र कि ह ना ह्मा
नि म नि ह यं का
वि ना ओ ना मा कु
वे गा गा त्र ना ने
स्व्र या वं लौ स्थ्रु

ॐ आ गा ब स्थ १ आ गा
हूं धं १ आ ह्रु क्षा १
स्थ १ आ गा वू धं १
घु ग स्थ्र गौं म धु
स्थ्र गा वि ना ओ नो
म कां म ड धा जू
क्वि ज मां ना ॥
ॐ आ गा व ह्व गन
वा ह्व गा ञ्छ गा वू
धं हुं ति स यं ह्र
धं हुं यं ग ह्र ड ह्म
ह्र ञ्छ गा वू धं हुं
यु ह्म स गा ति वा
हुं ह्र का ञ्छ तु वू
वृ ह्म ह्मा स गा लि
गि ह्र कि घ गा स्थ्रु

अस्मिन्दिवसअस्मि
न्नेवकन्यागतास
गेअस्मिन्कुल
कन्यादानंप्रति
गृह्णामि ॥ सवि
धं ॥ ॐ मा ॥ ॥ अ
नुसर्यं प्रति गृह्णा
मि ॥ सकाय ॥ म
ङ्गल विद्धन ॥
मङ्गलद्रव्यानि
दक्षिणादिक्षा
मात्र निवदयेतु
॥ ॥ नाडामी
ग्रणासूयस्वाहि
श्रकवदनानादि
आशीर्वाद दत्वा

मुखं यानि ॥ ॐ
कुल विशुद्ध
स्यापोचन्द्रपाम
पिकेन्यका ॥ अत्र
स्यप्रति गृह्णामि
दत्वानि रुनूर्सं
निधी ॥ ॐ तिय
ठिवा ॥ स्वस्व
णरूलं गृहीवा
यठन ॥ ॐ आमं
त्रिता ॥ ॐ आमाना
मयापूर्व्या नूव
द्धेणो ॥ कन्यादानं
दास्यामि सादि
न विजयं कुरु ॥
ॐ सूर्यादि ॥ ॥

कानस्याद्दुग्धाधाव
विवर्द्धिता ॥ पुत्र
कन्याप्रदास्यामि
धूर्वाग्निगुरुस
न्निधौ ॥ ॐ मा
लब्ध्वा ॥ ॐ यदि
कन्यागुणोपेत
दगदोषविवर्द्धि
ता ॥ पूर्वं पृथिगु
कामि दत्वाग्निगु
रुसंनिधौ ॥ स्वस्
येनपूनः ॥ ॐ या
ॐ मामेव लोकी
मलिनमशील
सूमेनाविनाप
धृतस्त्रुपविधूसार
दत्पुकन्याकाम
या ॥ ॐ मा लब्ध्वा

ॐ मामा ॥ स्वस्ति ॥ ॐ नमः
ॐ मा पद्मदेवता ॥ ॐ
सर्वदेवमयस्त्वंहि
सिद्धगंधर्वकिन
रा ॥ ॐ न्वादयाला
कपाला ॥ स्वब्रह्म
विष्णुमहेश्वरा ॥
सूर्यचन्द्र ॥ स्वकुला
नस्य दिक्पालादि
स्वरूप ॥ गनद
द्रव्यंपूजार्थं नमः
ॐ मा पद्मदेवता ॥
ॐ मा पद्मदेवताय
अग्न्यादि ॥

स्वस्थ्यनपूजा
ॐ लिंपट ०७ ॥
ॐ यदि देवपति

अश्वमायश॥ॐ
गन्धर्वायश॥
ॐ ईशानायश॥
ॐ वष्कलश॥
ॐ विष्णवश ॐ स
दाशिवायश॥
ॐ वन्दमल्ला
यश॥ॐ सूर्यम
ल्लायश॥ॐ अ
ग्निमल्लायश
॥ॐ जामातामल्ल
लायश॥जामा
तामल्लाय॥
वन्दनाकण॥
सिन्दुर॥यक्ष

यवीग॥धूप्य॥
फुल॥रूल॥अ
ष्मदन॥धूप
दीप॥नैवेद्य
॥स्वनपञ्च द
क्षा॥मङ्गलदक्षि
णादान॥अ
ॐ मङ्गलायनम
स्सूर्यसर्वग्रहाधि
पायच॥ॐ वस्र
प्रकाशायविश्व
रूपायनमः॥
जामातामल्ला
यनविंश्वकप
गपादि॥ ॥

स्य ॥ ॐ पात
नुर(?) छं नयश्च
तिमण्डलं काम
मुद्रा ॥ वा कमण्ड
लं ॐ हुं ब्रह्मादिलो
कपाल ॥ ॐ ॥ ध्व
नद ॥ ॐ जयादि
८ ॥ ध्वन ॐ ॥ स
ध्याजागादि ॐ
॥ ध्वनद ॥ दिदे
वगा ॥ ॐ ॥ मध्य
सर्व्वदेवता ॥ ॐ
बलि ॥ गणा ४ पू
जनं ॥ ॐ गणप
तय २ ॥ ॐ गुरु
भ्यो २ ॥ ॐ ब्रह्मान

यालाय २ ॥ ॐ क्षे
त्रपालाय २ ॥ ॐ आ
धारशक्त्यादि
॥ ॐ कूर्मवेदाधि
ॐ क्षानायमादि ॥
ॐ हुं ब्रह्मादि पूजनं
॥ ॐ जयाय २ ॥ ॐ
विजयाय २ ॥ ॐ
अजिताय २ ॥ ॐ
अपराजिताय २
॥ ॐ जम्भलो २ ॥ ॐ
स्कन्दलो २ ॥ ॐ मा
दलो २ ॥ ॐ आक
र्ब्बलो २ ॥ ॐ मया
जनाय २ ॥ ॐ वा
मदनाय २ ॥ ॐ

धर्मणीतल॥ग
स्यदाषविसुज्य
थो॥ सिंक्षामिग
च्चवालिलो॥ब
न्दनादिमूगं८
धादकैनैक्तमि
लैयनमक्तु॥
८ऽभक्षिताष्टु
थिवी८ख्यैवगं
च्चवानिविलँ
यिमा४ष्टुषैड
मद्यीतुंपार्थ
सुकृतांदुस्कृतं
नवै७॥ॐदुड
ममयायापैन
लिडममुपंक्ष

तं॥वंधितंकर्मे
सूगोलाङमजन्म
नायभूव॥कन
यूष्कुंॐलिंकु
बोग्रामयक्क
नयोगसा॥क्रु
स्वक्षुमक्षुली
क्कुलिडमाला८
ग्रवशिनुयाष्णु॥
पुष्पश्रीविविध
कोनाशायगंवि
विध्वकुलें॥ग
सुहृक्षक्मादि
वदक्कक्लव
सर्वदा॥क्रुषा

ॐ नमो व्रस्क[illegible] ॥
[illegible] मा गा कुम
ल विभिन्न [illegible] ॥
गगाधीश्वरसु
लोवम्य ॥ सूर्यो
र्घं ॥ दत्वा ॥ यू
थ्य गाउन कुयो
भा सुनम स्कु
ल्यो ॥ गमसम्री न्धा
से॰ अर्धदा पापू
जने ॥ जा स्मा धू
जांछ ॥ जा माला
ॐ सुदेवताय
ॐ दमासु नन
मश ॥ पुष्पं २ ॥
यादादि ॥ [illegible]

र्घं ॥ वन्दन॰ यज्ञ
पवीग ॥ [illegible] वी ॥
धूप ॥ दी[illegible] ॥ ज
गुगन्धो दि ॥ जा
मागा॰ गमलुर्ल
कायत आ कृके
युमाने न ॥ वुङ्क
मोक्षगोदकोन
[illegible] कलमन्त्र ॥
ॐ पुना हुन्द्र ल
वङुला॰ हुगादे
ल्यमका स्वा
॥ मदा[illegible] क्षावि
गापुष्प नया
क्षायेकुक मोसु
॥ मथुके दगमे
[illegible] ने। यू निगा



वीय॥ ॐ प्रजाप
तिर्विश्वकर्मा
मनागन्धर्वस
प्सरसश्च मान्य
पमनसः प्रभूया
नामताय ४ स्वा
हा॥ ॐ दमृश्चा
मस्यापश्चशस्यन्त्र
ष्टिस्य ४॥ ॐ ति
नाष्टस्य ७॥ ॐ ४॥

ॐ विलिङ्ग स्वाहा॥
ॐ दविलाय॥
ॐ विलिङ्ग स्वा

हा॥ ॐ दं विलये॥
ॐ आकूतां ४ स्वाहा
॥ ॐ दमाकूताय॥
ॐ आकूति ४ स्वा
हा॥ ॐ दमाकूत्यै
॥ ॐ विज्ञातं ४ स्वा
हा॥ ॐ दं विज्ञा
ताय॥ ॐ विज्ञाति
४ स्वाहा॥ ॐ द
विज्ञात्यै॥ ॐ मन
४ स्वाहा॥ ॐ द
मनसे॥ ॐ शीक्री
ॐ ४ स्वाहा॥ ॐ इ
दं शाक्कर्वीरस्य ४॥
ॐ दर्श ४ स्वाहा॥

ॐ द द सोय॥ ॐ
सो ह्रु मा स्स ४ स्वा
॥ ॐ द सो ह्रु मा
साय॥ ॐ वृ द स्व
स्वाहा॥ ॐ द वृ
हते॥ ॐ वथक्र
न्ध ४ स्वाहा॥ ॐ
दवथकनाय॥

ॐ प्रजापतिर्हूर्या
लिन्द्राय वृ ध्रूप्र
यछ्क्ट गे ४ वृहू
नाडेयव॥ विश्व
विशे ४ स भिनम
नसर्वा ४ सउ

ग ४ स ॐ द्रुव्याव
द्रुव स्वाहा॥ ॐ
द प्रजापतय ठ
या लिन्द्राय॥ ॐ
गिडया हाम ४॥
ॐ ज्ञ जि ह्रु नाना
म धि यु ति ४ सप्ता
व व सिन नूव ब्रह्म
व्ये स्मिन हू पे स्या
मा शि घे स्यां पू
र्वो भीयाम स्मिन
क मो ला स्यां दव
हू त्या ० स्वाहा॥
ॐ द म न य द्रु ला
नो मे विप यथा॥

ॐ इन्द्राय स्थाना
मधिपति ॥ समा
वव स्मिन वस्तु
ल्ये स्मिन कर्णे
स्यामागिच्छ स्वी
पूजाधायामस्मि
न कर्म्मे ब्ध स्यादि
वद्रुप्या ⊙ स्वाहा
॥ ॐ दमिन्द्राय
श्चे स्थानामधि
पतय ॥ ॐ यम
॥ पृथिव्याधि
पति ॥ समावव
स्मिन वस्तु ल्ये
स्मिन कर्णे स्था

मागिच्छ स्वी पूजा
धायामस्मिन क
र्म्मे ब्ध स्यादि वद्रु
प्या स्वाहा ॥ ॐ
दैयमाय पृथि
व्याधिपतय
॥ ॐ पय दक्षिणाद
केस्यग ॥ ॥ ॐ वा
यूवक्तनिच्छ स्था
धिपति ॥ समाव
वस्मिन वस्तु ल्ये
स्मिन कर्णे स्थामा
गिच्छ स्वीपूजाध्या
यामस्मिन कर्म्मे
ब्ध स्यादि वद्रुप्या

० स्वाहा ॥ ॐ दे
वाय वज्रकवि
कोस्याधिपताय
॥ ॐ सूर्या दिवाः
धिपति ॥ समा
व र्वस्मिन वज्र
ध्येस्मिन कृते
स्यामाशिर्व सर्व
पूजा ध्यायामस्मि
न कर्मे ध्ये स्या
दैव दूपायो ० स्वा
हा ॥ ॐ देव सूर्य
दिवाकराधिपत
य ॥ ॐ चन्द्रमान
क्षताधमधि

पति ॥ समावर्व
स्मिन वज्र ध्येस्मि
न कृते स्यामाशि
र्व सर्व पूजा ध्यायु
मस्मिन कर्मे ध्येस्य
दैव दूपायो ० स्वा
हा ॥ ॐ देवक्षम
मेन क्षता धमा
मधिपताय ॥ ॐ
वृहस्पति वंश्च
रधमः धिपति ॥
समावर्वस्मिन
कर्मे ध्ये स्मिन कृ
ते स्यामाशिर्व सर्व
पूजा ध्यायामस्मि

नकम्मे ब्यस्यादि
वेदूत्या ० स्वाहा
॥ ॐ दवृ रुस्या
यंत्रम्हो (जोर्धि
पय ॥ ॐ स्मि ८
सुत्या नाम धिप
ति ८ समाव विस्मि
नव्रम्हो ब्य स्मिन
को प स्यामा छिध
स्यापूर्वाधायाम
स्मिनकम्मे ब्य
स्यादिंवदूत्या ०
स्वाहा ॥ ॐ दंनि
ग्रायसत्या नाम
धिपतय ॥ ॐ

वनू (जोजूयाम
धिपति ८ समाव
विस्मिनकम्मे ब्य
स्मिनक्रो प स्यामा
छिध्य स्यापूर्वाधा
याम स्मिनकम्मे
ब्य स्यादिं वदूत्या
० स्वाहा ॥ ॐ दं
वनू जोयायाम
धिपतय ॥ ॐ स
मुद ८ सात्या ना
म धिपति ८ स
मावव विस्मिन
व्रम्हो ब्य स्मिन
को प स्यामा छि
ध्य स्यापूर्वाधा

याम स्मिन कर्म्म
ण्यस्यां देवहूत्यां
० स्वाहा ॥ ॐ दं
समुद्राय शाख्या
नाम धियताय
॥ ॐ नूनं साखा
या नाम धिय
तिः ॥ समाव ब्र
स्मिन ब्रह्मण्ये
स्मिन क्षत्रे स्या
मा शिष्य स्यापु
रो धा याम स्मि
न कर्म्म ण्यस्यां
देवहूत्यां ० स्वा
हा ॥ ॐ दं सम ता

य सा ताख्या नाम
धियताय ॥ ॐ सा
मडाय धनाम
धियतिः ॥ समा
व ब्र स्मिन ब्रह्म
ण्ये स्मिन क्षत्रे
स्यामाशिष्य स्यां
पूरो धा याम स्मि
न कर्म्म ण्यस्यां
देवहूत्यां ० स्वा
हा ॥ ॐ दं सामा
यडाय धी नाम
धियताय ॥ ॐ म
विनायकस्वा नाम
धियतिः ॥ समाव

त्व स्मि नव क्र ब्य
स्मि नू क्रं स्यामा
शि ष्ये स्यां पू वा ध्या
या म स्मि न क र्म्म
ब्य स्या द व दू
प्या ० स्वा फा ॥
ॐ द सा वि श्र प
सवा ना म क्षि प
गय ॥ ३ वू द ४
पू शू ना म क्षि प
ति ४ स मा व त्व
स्मि न व म्र ब्य
स्मि न क्रं स्या
मा शि ष्य स्यां पू
वा ध्या या म स्मि

न क र्म्म ब्य स्या द
व दू प्या ० स्वा फा
॥ ॐ द वू जा य व
शू ना म क्षि प
ग य ॥ ज्ञा प्र ब
प्रा द क स्य गे ४ ॥
ॐ व स्त्र दू पा ना
म क्षि प ति ४ स
मा व त्व स्मि न क
र्म्म ब्य स्मि न क्र
ं स्या मा शि ष्य
स्यां पू वा ध्या या
म स्मि न क र्म्म व
स्यां द व दू प्या
० स्वा फा ॥ ॐ द
व क्र दू पा ना म

धिपताय॥ ॐ वि
क्कु॥ पद्मपाना
म धिपति॥ स
मावबस्मिनक
र्म्मे थ्ये स्मिन क्कु
गं स्यामा डिंथ्य
स्यां पूर्वाध्याय्या
मस्मिनकर्म्मे थ्ये
स्यांदि व कूल्या ०
स्वाहा॥ ॐ दवि
क्कुव पद्मपाना
म धिपतय॥
ॐ मरूनागाना
नाम धिपत
य स्कूमा वद्

स्मिनवब्रकूल्ये
स्मिनक्कुगंस्यामा
डिंथ्यस्यांपूर्वा
ध्याय्यामस्मिन
कर्म्मे थ्ये स्यांदि
व कूल्या ० स्वाहा
॥ ॐ दमरुनाग
नाम धिपति
य॥ ॐ विनाय
॥ पितामहा॥
पद्मवनपा
स्कूमा महा॥
ॐ दमावबस्मि
नवब्रकूल्येस्मि

न कृतं स्या मा ति
ष्य स्यां पू वा क्षय
म स्मि न क मं व्य
स्यां दं व द्रु प्यो०
स्वा हा ॥ ॐ दं वि
ष्ठ स्य ॥ पि ता म
हं स्य ॥ प पा
वे य स्य स क
स्य स्क ता म हा
स्य ॥ ज ता पू वी
पी द क स्य गो ॥
ॐ ए स्यां ता न ना
म कौं ॥ ॐ ॥ ॐ ज
मि न पु प्र थ मो

दे व ता नां मा स्य
प्र जा मू क्षु ड़ मू
त्यु पा श ॥ आ ग द
य ० वा जा व त्र
८ ॥ अ नु म न्य तो
य स्थ यं स्मो यो
त म धं न वा द
० स्वा हा ॥ ॐ दं
म स्य ॥ ॐ ॐ
मा म ग्नि स्ना य
तां गा हं स्य ॥
प्र जा म स्यो न य
ॐ दी घ मा यु ॥
क्षु शू न्या य स्कृ

जीवतामस्कम्भा
ताधीरु मानन्द
मरिविवृध्यमा
स्रियं० स्वाहा
ॐ दमन्यर्थ
ॐ स्वस्ति नो इ
न्द दिवा पृथि
व्या विश्वे नि
धस्कय थायत्र
त्र पाद स्यां म
फिदि विज्ञानी
प्रगस्मा न द स्मा
सुप्र विल्पध्ये
हि विना० स्वा

हा॥ ॐ दमन्य
ॐ स्मृगनु पन्थो
प्रदिगन्नं त्रहि
काणिवृथेध्ये
यज्ञत नूजायू
॥ ज्यू यु नु मृत्यू
न मनो म मज्जा
मध्व द स्वानोना
फ्लूस्य केनाव
स्वाहा॥ ॐ दंवे
वस्वनाय॥ जु
नप्रनो नादके
स्यमे॥ ॐ पन

मृत्याजनुपव
ह्रियक्रीयस्थ
जूनयॐ गभ्री
धेक्षानाग
वक्षयागंधे
७यागत्रवी
मिमान ॥ प्रज्ञा
ॐ ज्वी निधाभा
गवीयान स्वाहा
॥ ॐ दंमे यवे
वैवसुगायस्वा
ग ॥ जनाद्यु ली
गोदक्रस्यगं ॥
॥ ॐ प्रजापति

यस्वाहा ॥ ॐ जम्
नयस्वाहा ॥ ग
ॐ वज्रस्मप्रलीग
वदलोकपाल
स्वर्गादिकल
शख लुल देव
गय ॥ स्वस्वम
ॐ लधुमाद्र
लिं ह्रवावाद
त्याय थ शुक्र
घृगाद्रलि ह्रु
वा ॥ ॐ कामके
भगिसं ग्रवव्र
लोग निधाया

पूर्ष्णुदर्वेतिपू
ष्णुकूर्वा॥तता
त्रीकियाप्राभ
धयपूपूर्वव
॥तिलयुबा
कृतानिपंबा
मूनेमिश्रचि
वानिवमक्र
लसमिधक्र
मालाद्वापू
ष्यालिवीदिया
वूनिधाय॥
००द०दवी
तिसंपूप्र

गायप्यातिमक
॥तता॥पूगादू
तिकूमनत्तिवा
दूतिंमूदूया०
॥धाद्वप्पायथा
शक्रातिदूर्पि
दूवा॥पूर्ष्ण
दवाति॥पूर्ष्ण
॥००तितिलाद
तिं॥ [illegible] बा

ततालाजाकूतिं
धूंलासपुर्यन
क्षर्यनजोयक्रा

श॥ लाजासमिध
४ घृतास कृत्वा
॥ स्वं क्रोश्नो ॐ नु
यैम ६ दर्दक
न्याजू नि मयु
कृतास भायेमा
र्दव ४ ध ता मुक्ष्
षुमाय ते स्वाहा
॥ ॐ दमयेंद्र
धूतन ॥ ॐ
यं नायूपकूर्ण
लाजाभावय
निकाजायया
नक्षुमय तिर्व
धनौ स्नानया

ममस्वाहा ॥ ॐ द
मग्नयेधूर्गेन ॥
ॐ मौलीमीव
याम्यग्नौसमृ
द्धिकवनकवेम
मधुयवसम्भ्वे
दनेभादगिव
नूमन्यतामि
यं स्वाहा ॥ ॐ
दमग्नयेधुर्गे
न ॥ न्नंतंमर्ण
लतयलाकृतिं
॥ कन्यायाक्षि
लाद्वौडावजो
विलायतयमं

पउँ गमामि
नेसुरगणवाय
कसंमयपिम
उनदछियथु
स॥१॥रगोयं
मासविणपव
न्यिमसुकवो
दुगजोनकपसा
यदवा॥१॥अमा
कमसिमसावि
सावुमसमा
अकेसामाक
मसिमअवोयो
नकंपथिवावि
गावंकिविवा

गावकेसकुपणा
दधावकेवज्ञा
पउनयावके
पूत्रानविन्धा
वदेवदूनणा
सकुंजनदस
य॥१॥संविधाश
विसमनस्य
मानीयस्यम
डनद॥१॥गणंडी
वमजंद॥१॥ग
गण्डणयाम
डनदं॥१॥णपा॥
नमिमंणकम
गदणमवावि

वाक ॥

अथवधूमग्न
रूकमकि ॥ प्राग्
खीमस्मानमा
नादय गिडामा
नादक्षिलया
धेनवधूवाचा
दयति याबा
नै ॥ ॐ जावाढ
मम स्मानम
भवत्विका
रव ॥ जु रीति
कूप्नाग्नया
ववाधस्यपृत

नायक ॥ ॐ मा
रुप० नियं ॥
मंगलमङ्गलि
आदियं ॐ तिम
ॐ लज्जानुखाया
भवतस्यांवचा
गाथीगयति
ॐ सयस्वतिय
दमनसुरत्न
वाडिनीवति
यीवीविश्वस्य
मुगस्यपजाया
मे स्याजन ॥ पवी

सुगत०समर
वयस्यी विध्व
मिदं ज गत॥
मर्थ गथ थी गम
स्या मिया क्षी॥
मूल मं य ज॥
ॐ ति ग थ॥
गता २ ज्व ध्र
४ प क्ष क्षा मो
॥ ज गि पली
नव क्षा स दि
व्र द क्षि लं कु
ग ४॥ ॐ ध्य नं
उध्व ज नी नि

न द्वाय॥ ॐ नम
४ज क्ष वायि
॥ प दिक्रमया
डावं न॥ पूष्प
दानं॥ ज ल
य कील सम
व न द्वायं॥
ॐ प्रजाय ग भं
त्पा दि॥ ज ध्व
नं अ ये॥ क्र
सान ग ले॥
ॐ नववायु॥
॥ जा मा प्र व
य० नी यं॥

ॐ कृ[illegible] म[illegible]
यर्यवकनस्
योवकनुनोम
का।पुन।पति
स्योजाया न्वाज
नपत्याम
का।।न।।यश्च
दन [illegible] किवा
लाजा काम सा
कुग्रकर्णका
थाकन मा थमा
नज निपदक
लानियुषव
।पुनर्विनय

वनुत्रेनवला
जाकृतय।सो
कुपकला
यांजुस्माथाकल
तर्यगोथमन
तर्यंयदक्षिल
यञ्च समन्ययनं
।नौवभिक्षला
औ।कन्यावाछ
दकि।जनुपलि
ष्कसुयकाले
नवधुक्रताति
।कुपोयस्वाल
।।ॐ दम भम्य

ष्टूर्ने न ॥ जग
स्त्रुष्कीय दिक्र
मठी न नावव
उय विश्वब्रह्म
लावाव धक्ष
श्र न व्रजाय
द्वैत्रु दूया ॥
उपजायून य
स्वाका ॥ ॐ दीप्र
जायनय ॥ ॐ
तिमलसा ॥ जु
प्रयाद्ध लीवाव
कुप ॥ वाष
नव्र कय ॥

॥ श्री ॥

नमोलव्वादिश्चे
तान्वुलयूमस
कस्कृपैदक्ष
य ॥ अग्निसर्य
विन ॥ वुकोॐ
तातिधूमैव ॐ
ष्ठनीनीतिकं
कृकी ॥ यीन
शुक्रप्रयूकल
मञ्जलीसफ
कावेथ ॥ ॥

ॐ एकमिथवि
ष्कम्भानयद्ध।
द्वितीय। ॐ द्व
न्द्रौविष्कम्भ
नयद्ध। तृती
य। ॐ त्रीलिना
यस्यायाय वि
ष्कम्भानयद्ध।
चतुर्थ। ॐ चत्वा
रिमाथारावाय
विष्कम्भानयद्ध
।पञ्चम। ॐ प

ञ्चपञ्चाया वि
ष्कम्भानयद्ध।
षष्ठ। ॐ षड
ष्टयाविष्कम्भा
नयद्ध। सप्त
म। ॐ सप्तस
कपदायव
मामामनुत्रा
यवति विष्कम्भ
नयद्ध।।भी
प्न ॥ पञ्चा
उपविशयक
स्वस्त्य कि

हूं स्मादमयवन्न
वं नउजलमानी
य गनजलनव
णा वधुमविवि
ध्वति ॥ ॐ आय
॥ शिवा ॥ शिव
म मा ॥ मा का ॥
मा का ना मा ॥ ना
स्फट्टू ञ्च नू दीव
ॐ ॐ यमेन
धूनम माद्
वक्रू मा का ध्ये

वा नि त जलना
ति त्रिशूति ॥ ॐ
आर्या दिव्याम
यात्व ॥ ना नउ
ओं वधात नमः
नायवकसे ।
ॐ याव ॥ शिवन
भावस ॥ नस्यका
जयतद्न ॥ ॐ
श्रीतिविमान
न ॥ ॐ नस्माद्व
ॐ मामवीयस्य
कायाय जिव्ह

थजायाजनुय
थायनु ४ ॥ ॐ
निकोनि ४ ॥ द
न ४ सूर्येमू
कम्वतिव धु
सम्बाध्युवनं
फांगनवकुर्द
वज्ञितपुवंम
कुत्रीमुद्धवन
पग्येमगावद
४गांजीवम
गवद ४ थानठ
ज्ञ्येयामश

वद ४ गांपुवक
मगांवद ४ गान
मदीनाम्याम
गांवद ४ गां
द्मय ४ पगांव
द ४ गांताक ॥
ॐ तियठिवा
वधुद्भ्यपव
ति[illegible]थवना
[illegible]
[illegible]
[illegible]यमा
[illegible]ॐ मम
वनिनिदपद

धामिमम विक
मनू विफकेजु
म्हुम म्ववावम
केमनाम्रवस्व
प्रजायतिम्हा
नियूनक्कुमह्के
॥ ११ ४ सिंदु
नाथा दनेजु
मिलादनक्वो
कनछदि ॥ स
गुल सिंदुवर्व
मेवकमेका
नय७पूनूवन

॥ सिंदुवयदन
वाक्वौ ॥ ६ सिंदु
वसदु म्वाथ
शिवसाधाय
गेवय ॥ वामि
गोदीद्वमायु
विंपूरमायु.
शिवकनू ॥ ७
४ वर्वमतिम
ज्यति ॥ ६ मसु
मह्लीविर्य
वर्वनिमा७म
मनियजंधाना

सौरा य्यम स्युद
वोयाथामोवि
यवनानु ॥४॥मि
द्वन्वस्तु दवो
॥ वद्धनादिस
गुणस्तुजाज्यद्धो
द ॥ ॐ ज्ञावित
॥ प्रतिका ॥ अ
मयकौनगग्ग
भैत्ताकितानद्भुद
वम्भनिडपनि
नीमामतौब्जुपा
मह ... यप

। वनावाॐ
गुबानिषीद
कास्त्र ॥४॥
कयूवा ॥४॥
कामकसद
विठोय
कयूस्त्रवानिवी
दे ॥ स्वानाम
नयन ॥ अस्म
मितधवमूदि
धस्त्रतिवति
थुबालक
वैयप्प ॥

गणवन स्वय
०नीयामक॥
ॐ धरवम मिन्द्रे
वंत्राय श्याभि
धरव छियाया
मयिम कंवा
दाहृद स्याभि
मयाय याय
जावनी संजी
वगनद ॥श्री
॥ॐ निमायदि
नंव स्वति न
थापिय स्याभि

थवं कया॥
लासाथ॥यति
स्था॥ॐ यवंके
॥भानधसु
ॐ॥यूतवंद
वनकुय॥पू
नवधुलंखन
लाय मख॥ॐ
स्वस्थिवावन
नरुथा॥ॐ॥

यल सिंधामन
थानभ भारवी

॥ जकूनियाय
॥ संस्थ्याकुति ॥
श्चं निकेयू
ह्लिकायवश्चि
न्यादिश्चाह्म
लापूजा॥ॐकु
मयस्हह्निकु
मैस्याका॥ॐ
दम्रमयस्हह्नि
कुंगं॥वलिवि
सर्जनं॥दक्षि
णासंग्रवुप्रि
मनपूर्जा॥

जु सैसा॥जकि
श्व क॥जगाबी
द॥वंदावनकु
य॥सद्याउ
न॥नकगाया
॥ॐत्थ्यादिविवा
हकर्म॥ॐ॥

यिनायकायजु
लानिरूलानिका
य॥क्वौस सगुन
ह्ला नग लजुबा
निरूला निरुपा
वृंदका प्रसाद
यिति निथ्वीय

वायावर्द्रमधु
लसह्लिननयु
ज्ञायावकेथ्री
ह्लिनकेयार्दु
मालके ॥ थैका
दिनम्य म्याल
वलि ॥ म्योनी
नवके ॥ ह्रैंग
दि ॥ म्य नरंमा
ड्वानद्वाये ॥
युंना ह्लिनन ॥
सगुननद्याय
॥ थ्रा ह्लिन लि
मिन द्याय ॥

थथ्रीनिसाक्ला
य ॥ ढ्रुवयाय
॥ स्नानेयावके
॥ सिंध्रुह्ला य ॥
ह्रौंगह्लानगल
गमप्रसवंथा
मालकी वर्द्धम
गुल ॥ ॥ वि
ति नि ॥ ह्रौंभ
युखवमेयं
विनासगुण
सनिधिदेव
ठै ॥ थयाज्ञव

भ्यनमाङस
श्री कानजुरु
लिं ठ ॥ श्कासृया
ठन ध्वयाव ॥
क्रुंश याजवस
यँ वि नाम्रगुण
सम्रिदूनीया
गाद्यं ठ २ थ्वया
ध्ववनगवमा
ङसर्वकार्ज्यं
गुलिलूं यंग
ठ ॥ यिदिसि
फ्रास्यनपूजा

यथाविधिनक्र
शादि ॥ सिंधं
ह्नाय थ्वंकादि
स्यं विधिथ्वं ॥
थथ्वं निव्रका
गव्रक्रयाय
गुथा ॥

जुदियरुलजा
म्वीनतिलगु
यँगुवड माश्र
मकोवूगागुभ
ङ्गुं यँवगाछी
वूधजीवकं ॥

क्षनंगुक्रमनि
र्मस्याला जाना
दूस्कथ्येनव।
द्वैपूव्यनाथा
कैगुफूक्रांउ
मनारवं ७ ॥

१ णुर्दलननैश्रींवनजनी
मद॰ स्कथासयानिक्षणानि
मह्याहिपूगालाडासमु
कांविवधानिपुसधेनु
वक्षमूणविधिक्रियामत्त
दियाद्विक्रमलेनेयाउर्य
कुप्रमाणकी॥१श्रीवक्ष
पूर्वाकिन १वम्रयिदिमिर
१ध्रुजथींकादिधु १वालस
मिसाथंकादिर १वाम
लनीकाथंकादि ७१

मक्षजावाण ५१क्ष्माश्वेत्का
लान१श्रवनवुं ८॥
स्थवा॥ यालोसैत
वैनि॰नवाक्षे
रिविक्ष। त्रिवक्षवे
पला ५ वक्ष ७
वैनभाइयिक्ष
ग्रियदवैकल्यान
कालियालावैक
ल्यानमूगमथैन
डाव्यामूगवैन
भाइविक्षमिस
धैयाव्याग्रवक्षा
ना॰त्रमायक्षाम
मधुवाभवैनम
गद्यानाःग्रम
नामरायिक्षति
॥

१ ॐ श्री ग्वग ॥ ॐ दक्षिणकालि ङ्पदक्षतिनदनाः पूज्य
ल श्री दक्षिणकालि दम्भकं ॐ तिन स्माय स्य दक्षिण
तोल श्री यवति पूज्य ल श्रीक ॐ स्यावकवहड
केनन क्रियाः हड लेनकमूायननाः दिस्कीनकल
नवपूनयोमा वैवैनाः हडयदक्षायपाः दंवग्नि
नक दंवकपूना लिका थनाः पूज्य ल श्रीमू

खगाधगीन स्माय स्य मुखेल श्री सेवतिनम्पूज्य
ल श्रीक ॐ यावकनं ॥ इति पं० निः श्रीमतिल
वेदिदक्षिण स्यां वानि पूज्य केल भड द्वैनि कनामा
लिनः पववयस्क (वै सिधकपयी कंधानमी ॥

१ ॐ श्री ग्वग ॥ ॐ दक्षिणलन

ॐ यदयक॥ विंकृन्दकादेवता (ननातिवि का
नितिन्द्वनाजना कृन्दकादेवतानातिवि कानिस
वाल विदेदे नं मयाकेतान्दवाद्वतमाक ० मंस्क
यानाकाया न्याशपाया जुशीवस्ती॥ ॐ वंयविहु
दा॥ वंयविहृदाकुपु ॐ तियजमाना वेदाश्रा
नं ४ यादीतिमनुस्याव नव ४ ग्रुळु धा गिव ॐ ति

शुजुन ॐ मा ॥ स्मृतिमि येशदक्ष्वानाकमूतसन
तियजाघेनाक ० नकयजाक्षुलानक्ष॥ ॐ दीघ
यूस्वा॥ दीर्घायूववामाजास्म नितिमायामूलवाल
यादेवयल्लानदिक्यप्रायक्षं दीर्घायूस्त्वी॥ २ नसमा

२ श्वमीथश्वथ